

Schol. zu P. 1, 1, 71. — 9) sich ereignen, eintreten: तत्र च चिरकालं दुर्भितं पतितम् PAÑKĀT. 232, 25. यदि दुःखं पतति ÇUK. in LA. 43, 8. विपरिते पतिते 43, 3.

1. caus. पतयति *flogen, dahineilen* Dhātup. 35, 9. वयः पतयन्तः RV. 1, 24, 6. 6, 48, 11. 7, 104, 14. विद्युतः 5, 83, 4. मनो ज्विच्छे पतयत्स्वत्तः 6, 9, 5. 1, 132, 5. 4, 34, 5. 38, 7. VS. 22, 30. ÇĀṆKH. ÇR. 4, 20, 1. Nach Einigen in dieser Bed. auch पातयति; s. West. — med. पतयते *in die Flucht treiben oder fällen*: ये मर्त्यं पतनायत्तमूर्खणावानं न पतयन्त सर्गः RV. 1, 169, 7.

2. caus. पातयति und ँते 1) *flogen lassen, schleudern, fallen machen, fallen lassen, hinabwerfen, abschlagen, niederwerfen, umwerfen, werfen in, auf*: इदं पत्कृत्तः शकुनिर्भिन्यत्तन्पतीपत् AV. 7, 64, 1. शूर्या अस्मद्विषूचीरिन्द्र पातय 1, 19, 1. विद्युतम् 11, 2, 26. मय्येव पातयता बाणः MARK. P. 66, 13. ARĀ. 3, 52. R. 2, 63, 22. परम्: (bleibt in der Hand) — पातितः R. GORR. 2, 114, 32. विद्वषकस्योपरि दाडकाष्ठं पातयति MĀLAV. 36, 7. दाडं तस्याकृतुलं पातयिष्ये MĀRK. P. 51, 112. दाडं दाड्येषु पातयेत् *Strafe verhängen* M. 8, 126. JĀGŪ. 1, 353. 367. दाडो ऽयं नेत्रियो येन मय्यपाति BHĀṬṬ. 4, 32. मदावसन्नस्तपतितेन निस्त्रिंशेन द्वित्रानेव कृत्वा DAÇAK. in BENF. Chr. 194, 12. आशु शस्त्रं पातयेत् so v. a. er führe schnell das Messer Suçr. 1, 45, 12. 2, 36, 5. सूत्रं वेतालपातितम् *die vom Vet. angelegte Messschnur* RĀGĀ-TAR. 3, 349. — सलिलं नाशु पातयति (die Sonne) VARĀH. BRH. S. 3, 22. पातयानान् *wirf die Würfel* HARIV. 6743. 6745. पातय जलम् *auf die Erde gossen* 14239. 14242. नेत्राभ्यां पातयञ्जलम् MBH. 7, 4912. ततः । प्रकाशको ऽप्यसंबन्धं तमो जगति पातयेत् KATHĀS. 18, 18. — अघः पातयेत्कार्तलस्त्रवस्तु चेत् *fallen lassen* VARĀH. BRH. S. 50, 27. — (तम्) खाद्रूमिपातयत् R. 6, 82, 93. त इमे शैलशृङ्गा-प्रात्पातयन्ते MĀRK. P. 14, 81. MBH. 13, 1911. पातयति स्म तं स्वर्गाद्भ्युपतितेन HIT. IV, 74. MĀRK. P. 73, 8. गजयोधिनः । पातयामास नाराचिर्दुमभ्य इव वार्किणः DRAUP. 8, 11. (ध्वजम्) एतदुन्मथ्य पातिये भलेन निशितेन च HARIV. 9246. पातितो (v. l. für पतितो) ऽपि कराघातेरुत्पत्येव कण्डकः BHĀṬṬ. 2, 83. MĀRK. 79, 23. फलानि पातयामास सम्यकपरिणतान्युत MBH. 12, 671. 14, 1710. 1711 (med.). HARIV. 3709. ÇĀK. 81, 15. दृषते पातयिष्यामि शिरः कायात् HARIV. 15178. 15181. RAGH. 12, 99. VET. in LA. 33, 9. (मया) पातुकामेषु वत्सेषु मातृणां पातितः स्तनाः R. GORR. 2, 42, 17. पूल-श्यापातयद्दत्तान् (ausschlagen) BHĀG. P. 4, 3, 21. — (वायुः) पातयन् मृदा-द्रुमान् R. 1, 74, 13. RAGH. 11, 76. PAÑKĀT. I, 407. रथस्थं पार्थिवं रामः पातयित्वाङ्गुर्न भुवि HARIV. 2314. अथैनाम् — पातयित्वा पदाबधीत् MBH. 4, 461. 673. RAGH. 8, 38. 9, 61. MĀRK. 104, 25. ÇĀT. Br. 3, 6, 4, 12. 14, 4, 2, 5. इत्यात्मानं पातयति *sich niederwerfen* MĀRK. 163, 1. पातयिष्यामि रत्नसम् *niederhauen* MBH. 1, 6025. 2, 1811 (med.). 6, 3807 (med.). 13, 558. 14, 31. ARĀ. 10, 22. PRAB. 33, 8. — मृतकल्पं तदा वीरं स्थलाञ्जलमपातयत् MBH. 1, 5017. (तान्) कूपे — अपातयत् 5158. KATHĀS. 43, 186. BHĀG. P. 5, 26, 26. RĀGĀ-TAR. 6, 128. VET. in LA. 22, 5. (तम्) पातयद्यं विभावसौ MBH. 1, 2125. hineinwerfen, hinein thun: नारं पातयित्वा Suçr. 1, 33, 18. स पातयत्यघम् VP. bei Muir, Sanscrit Texts I, 22, N. 35, Çl. 13. *Etwas in Etwas hineingelangen lassen*: गूढं नूपुरशब्दमात्रमपि मे कालं श्रुतो पातयेत् VIKR. 56. पावकम् *Feuer anlegen* PAÑKĀT. III, 166. — शरीरे च पातयित्वा शिरोधराम् *senken lassen* R. 2, 23, 4. चतुः, दृष्टिम् *das Auge,*

*den Blick werfen, richten auf*: सर्वतश्चतुर्व ने लोलमपातयत् R. 4, 7, 11. 6, 108, 2. R. GORR. 1, 43, 16. Spr. 491. कटात् इव पातितः VIKR. 120. RĀGĀ-TAR. 5, 371. *einen Fluch, Schande, Feindschaft u. s. w. auf Jmd schleudern, über Jmd ergehen lassen*: (शापः) भगवता मयि पातितो ऽयम् RAGH. 9, 80. KATHĀS. 17, 142. मम चाप्ययशो मूर्ध्नि पातितं लुब्धया त्वया R. GORR. 2, 76, 7. 99, 22. राममाता सपत्नी मे कथं न वैरे पातयेत् 7, 31. पितु विवियोगं दुःखं मरुसा पातितं त्वया 76, 13. — स्यानात् *Jmd von seiner Stelle stürzen* R. 2, 43, 5. *Jmd stürzen, zu Fall —, in's Unglück bringen, in eine schlimme Lage versetzen*: (त्वया) चपमात्मा च पातितः R. 6, 94, 19. अथ तान्पातयिष्यामि यथा यास्यति न क्षयम् MBH. 4, 35. 610. 13, 4760. येनायं पातनो ऽरीणां विना शस्त्रेण पातितः MĀRK. P. 24, 40. ब्राह्मणकुलं तमसि पातितम्, अथ वा आत्मा पातितः MĀRK. 50, 7, 8. 129, 14. ÇĀK. 117. अर्थतम् *eine Sache um ihren Preis bringen, den Preis einer Sache verderben*: मणयो वैर्यतः पातितः BHĀṬṬ. 2, 12. *einführen, in Gang bringen (?)* RĀGĀ-TAR. 5, 173. — 2) *subtrahiren* Schol. zu GĀJ. 27. — 3) *sich stürzen*: तस्याः ह्योतस्यपातयत् MBH. 1, 6752.

— desid. पिपतिषति und पितसति P. 7, 4, 54. 2, 49, VĀrti. Vop. 19, 8, 9. कूलं पिपतिषति *das Ufer ist im Begriff einzustürzen* P. 3, 1, 7, VĀrti. 1, Sch. — Vgl. पितसत्, पितसु und पिपतिषत्.

— intens. पनीपत्यते, पनीपतोति P. 7, 4, 84. Vop. 20, 7.

— अचक्रा *hinfliegen zu* ÇĀT. Br. 1, 7, 1. 3, 2, 4, 2. — caus. पतयति *dass.:* रघुः श्येनः पतयद्गन्धो अचक्रा RV. 5, 45, 9.

— अति 1) *vorüberfliegen, vorbeifliegen, überfliegen*: अथ हृ कृसा नि-शायामतिपेतुः KHĀND. UP. 4, 1, 2. मा त ऽतिपसन् LĀṬJ. 3, 10, 9. अति सूर्यं परः शकुना इव पतिम (Schol. zu P. 6, 4, 99). RV. 9, 107, 20. Vgl. u. अति 2. — 2) *versäumen, vernachlässigen*, vgl. अतिपात, अतिपात्य. — caus. 1) *vorbeifliegen lassen*: इषुमनतिपातयन् LĀṬJ. 3, 10, 12. — 2) *wirkungslos machen*: संशमनमेवं संशोधनमतिपातयति Suçr. 1, 146, 12. — 3) *hinraffen*: विषं मुहूर्तगप्युपेक्षितमातुरमतिपातयति Suçr. 2, 266, 13. — Vgl. अतिपातित.

— अनु 1) *hinfliegen an* (acc.) ĀÇV. GRUJ. 3, 7. खमेवानुपतन् *in der Luft fliegend* BHĀG. P. 3, 11, 5. *nachfliegen, hinterher laufen, — gehen, nachfolgen, nachgehen* (eig. und übertr.): मुहूर्तनुपतति (loc.) स्पन्दने ÇĀK. 7. KATHĀS. 39, 136. धर्ममन्वपतद्भुतम् 7, 89. 28, 57. MBH. 7, 1742. 12, 10449. चित्तस्पर्न्दतकल्पनामनुपतन् PRAB. 16, 16. (न ज्ञातु) अनुपतति विना ते प्राणिनां प्रुचः BHĀG. P. 4, 17, 8. 5, 1, 37. अनुपातम् *absol.*: गृहानुपातम् (vgl. u. अनुप्र) *von Haus zu Haus gehend, lctanupaatam* bei GOLD. Wörterb. u. अनुपातम्. — Vgl. अनुपात, अनुपातिन्. — caus. 1) *hinfliegen an*: जिनतो वंभ्रं त्वं सीमन्तमन्वच्चमनुं पातय (wohl nur metrische Dehnung) AV. 6, 134, 3. — 2) *Jmd mit sich hinabstürzen*: पतत्या निरये कस्माद्कृमप्यनुपातितः R. GORR. 2, 75, 4.

— अत्तरु s. अत्तःपात, अत्तःपात्य.

— अति 1) *herbeifliegen, herbeieilen, herbeispringen, zufliegen auf, hinfliegen zu, losstürzen auf* (in freundlicher und feindlicher Absicht), *losgehen auf*: वैनेतेयो यथा पत्नी — तथैवाभियतिष्यामि MBH. 3, 550. 4, 1383. HARIV. 10777. जवनो ऽभ्यपतत्तदा MBH. 3, 756. 4, 757. 1102. 16, 145. HARIV. 3654. R. GORR. 2, 78, 14. 3, 32, 15. MĀRK. 67, 24. 143, 22. BHĀG. P. 2, 7, 14. ÇIÇ. 9, 1. DAÇAK. in BENF. Chr. 194, 10. ऋतुकाले ऽभि-